भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 3365

दिनांक 07.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

यूएनएससी का सुधार

3365. एडवोकेट चन्द्र शेखर

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2028–29 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अस्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी के लिए शुरू की गई प्रमुख राजनयिक रूपरेखा और पहुँच अभियान क्या है;

(ख) बढ़ते वैश्विक ध्रुवीकरण और बहुपक्षीय निकायों में संस्थागत पंगुता के बीच यूएनएससी के संरचनात्मक सुधारों और पाठ आधारित वार्ताओं के संबंध में वैश्विक सहमति बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) भारत द्वारा ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए विस्तारित ब्रिक्स, क्वाड और आई2यू 2 सहित विस्तारित बहुपक्षीय मंचों का उपयोग करने की क्या योजना है; और

(घ) भारत द्वारा क्षमता निर्माण और छात्रवृत्ति पहलों के अंतर्गत 1.95 लाख से अधिक व्यक्तियों के प्रशिक्षण सहित अंतर्राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए कितना वित्तीय और तकनीकी योगदान दिया गया है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से घ**)** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद **(**यूएनएससी**) 2028-2029** में एक गैर**-**स्थायी सीट के लिए भारत का नौवें कार्यकाल का दृष्टिकोण **शांति** – मानदंड**,** विश्वास**,** अखंडता के माध्यम से समग्र उन्नति करने पर आधारित है। वर्ष **2028-2029** की उम्मीदवारी के लिए छह प्राथमिकताएं हैं**: (i)** वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ **(ii)** सुधारित बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाना **(iii)** भविष्य के लिए तैयार शांतिरक्षा **(iv)** एआई के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरों का समाधान **(v)** समुद्री साझा क्षेत्र एवं संसाधनों की सुरक्षा और **(vi)** आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटना।

भारत सरकार विस्तारित यूएनएससी में भारत के लिए स्थायी सदस्यता सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। भारत द्वारा इसे लगातार उच्चतम स्तरों सहित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों माध्यम से विभिन्न स्तरों पर उठाया गया है। भारत ने स्पष्ट रूप से निर्धारित समय**-**सीमा और लक्ष्यों के साथ पाठ**-**आधारित बातचीत शीघ्र प्रारंभ करने पर जोर दिया है।

भारत ने लगातार विकसित और विकासशील विश्व के बीच एक सेतु और वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ के रूप में कार्य किया है। इन बहुपक्षीय प्रारूपों का विस्तार सभी के लिए शांति**,** सुरक्षा और समृद्धि पर दृढ़ता से समर्थन करने के रूप में किया गया है। इन पहलों के माध्यम से प्राप्त समझ ने भारत को भागीदार देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने और वैश्विक मुद्दों जैसे कि सुधारित बहुपक्षीयता**,** शांति और सुरक्षा**,** जलवायु परिवर्तन**,** अंतर्राष्ट्रीय अपराध**,** आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई**,** साइबर सुरक्षा**,** ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और एजेंडे को आकार देने में सक्षम बनाया है।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग **(**आईटीईसी**)** भारत का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम है**,** जिसे विदेश मंत्रालय द्विपक्षीय विकास साझेदारी कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वित करता है। प्रत्येक वर्ष**,** कार्यक्रम के तहत लगभग **12,000** स्लॉट प्रदान किए जाते हैं। यह अनुमान है कि इस कार्यक्रम के तहत **2.25** लाख से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है।

*****